अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2024) दिनांक : 24.08.2024

समय सीमा : 3 घंटा षष्टम् वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

गतागत–40

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें–(आगति व गति कितनी व कहां-कहां से) 24

(क) छठी नरक।

(ख) केवलज्ञानी।

(ग) अवधिज्ञान।

(घ) दूसरे देवलोक में।

(ड़) अचरम।

(च) श्रावक।

(छ) मूल वैक्रिय शरीर।

(ज) पंडित वीर्य।

(झ) हेमवत, हैरण्यवत् के यौगलिक।

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें–(आगति व गति कितनी व कहां-कहां से) 16

(क) पृथ्वी, पानी एवं वनस्पति में।

(ख) कृष्ण लेश्या वाले कृष्ण लेश्या में जाएं तो?

(ग) मतिज्ञान एवं श्रुतज्ञान में।

(घ) शुक्ल लेश्या वाले शुक्ल लेश्या में जाएं तो?

(ड़) जम्बूद्वीप एवं लवण समुद्र में जीव के भेदों का वर्णन लिखें।

(च) उर्ध्वलोक और अधोलोक में जीव के भेदों का वर्णन करें।

कायस्थिति–40

प्र. 3 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें– 30

(क) सूक्ष्म भाव पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?

(ख) सम्यग् दृष्टि की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति तथा जघन्य उत्कृष्ट अन्तर लिखें।

(ग) छद्मस्त आहारक की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति तथा जघन्य उत्कृष्ट अन्तर लिखें एवं बताएं कि जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(घ) तिर्यंचणी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति एवं जघन्य उत्कृष्ट अन्तर बताते हुए लिखें कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से ली गई है?

(ड़) संयता-संयति की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति तथा जघन्य उत्कृष्ट अन्तर लिखें एवं बताएं कि संयता-संयति की जघन्य स्थिति किस अपेक्षा से ली गई है?

(च) अवधिदर्शनी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति तथा जघन्य उत्कृष्ट अन्तर लिखें एवं उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से है, लिखें।

(छ) कापोत लेश्यी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति एवं जघन्य उत्कृष्ट अन्तर लिखें एवं बताएं कि उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(ज) उपशम श्रेणी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अन्तर लिखते हुए बताएं कि उपशम श्रेणी की जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(झ) पंचेन्द्रिय की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अन्तर लिखें तथा बताएं उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(ञ) मनःपर्यवज्ञानी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति एवं जघन्य उत्कृष्ट अन्तर लिखें तथा बताएं जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(ट) क्षयोपशम सम्यक्त्वी की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

(ठ) कायपरित की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति तथा जघन्य उत्कृष्ट अन्तर लिखें तथा बताएं जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से है?

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 10

(क) पुद्गल परावर्तन के कितने प्रकार हैं? नाम लिखें।

(ख) आहारक शरीर किन्हें प्राप्त हो सकता है एवं अधिकतम कितनी बार प्राप्त हो सकता है?

(ग) नारक पर्याप्त की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति लिखें।

(घ) द्वीन्द्रिय पर्याप्त की कायस्थिति कितनी है?

(ड़) प्रत्येक शब्द से क्या तात्पर्य है? प्रत्येक के स्थान पर कौन सा शब्द भी काम में आता है?

(च) असंख्य वर्ष की आयु वाले मनुष्य एवं तिर्यंच मृत्यु के पश्चात् कहां उत्पन्न होते हैं?

(छ) तिर्यंच की एक भव की उत्कृष्ट कायस्थिति लिखें।

(ज) तेजसकाय पर्याप्त की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति लिखें।

(झ) दूसरे देवलोक की परिगृहित और अपरिगृहित देवियों की स्थिति कितनी है?

(ञ) केवली समुद्घात की अपेक्षा कितने व कौन-कौन से समय अनाहारक होते हैं?

(ट) अयोगी केवली की जघन्य कायस्थिति कितनी एवं किस अपेक्षा से है?

(ठ) शुक्ल लेश्यी की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी एवं किस अपेक्षा से है?

गीतिका (पांच वर्षों की)–20

प्र. 5 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक-दो लाईन में लिखें– 4

(क) छट्ठा गुणस्थान किन-किन कारणों से छूटता है?

(ख) दसवें गुणस्थान में कितने व कौन-कौन से कर्मों का बंध होता है?

(ग) कायंति दान किसे कहते हैं?

(घ) सम्यक्त्व की प्राप्ति किस प्रकार होती है?

(ड़) देश मोहनीय का उपशम निष्पन्न भाव किन-किन गुणस्थानों में होता है?

(च) भगवान ने मिथ्यात्वी किसे कहा है तथा इसका वर्णन किस सूत्र में आता है?

प्र. 6 किन्हीं चार पद्यों को अर्थ सहित लिखें– 16

(क) सरधा दुर्लभ.....पाई रे।

(ख) सबहि खान.....नाग।

(ग) बीस भुजा.....हार्‌यो रे।

(घ) घणां नीं.....दान ए।

(ड़) दान स्यूं.....छाणियो ए।

(च) पोते नहिं.....पड़े ए।